# 2022
# हिन्दी

**समय : तीन घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक :** 100

**नोट :**

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

## खण्ड – क

1. (क) 'भारत की एकता' कृति के रचनाकार हैं : **[1]**

   (i) बालकृष्ण भट्ट (ii) वासुदेवशरण अग्रवाल (iii) धर्मवीर भारती (iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी

   (ख) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रचना नहीं है : **[1]**

   (i) 'आकाश के तारे' (ii) 'भूले बिसरे चेहरे' (iii) 'माटी हो गयी सोना' (iv) 'मुक्तिबोध'

   (ग) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी का आलोचनात्मक ग्रन्थ है : **[1]**

   (i) 'चारुचन्द्र लेख' (ii) 'विचार-प्रवाह' (iii) 'साहित्य का मर्म' (iv) 'हिन्दी साहित्य की भूमिका'

   (घ) पं० दीनदयाल उपाध्याय की कृति नहीं है : **[1]**

   (i) 'सम्राट चन्द्रगुप्त' (ii) 'राष्ट्रजीवन की दिशा' (iii) 'जगतगुरु शंकराचार्य' (iv) 'वैचारिकी, शोध और बोध'

   (ङ) 'अग्नि की उड़ान' पुस्तक के लेखक हैं : **[1]**

   (i) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी (ii) हरिशंकर परसाई (iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम (iv) सी० वी० रमन

2. (क) 'प्रयोगवाद' के प्रवर्तक हैं : **[1]**

(i) 'मुक्तिबोध' (ii) 'अज्ञेय' (iii) 'धूमिल' (iv) 'निराला'

(ख) मूलतः प्रगतिवादी कवि हैं : **[1]**

(i) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (ii) सुमित्रानन्दन पन्त (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iv) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) 'कला और बूढ़ा चाँद' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ii) महादेवी वर्मा (iii) केदारनाथ अग्रवाल (iv) सुमित्रानन्दन पन्त

(घ) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है : **[1]**

(i) 'रसकलश' (ii) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' (iii) 'प्रदक्षिणा' (iv) 'परशुराम की प्रतीक्षा'

(ङ) 'छायावादी-युग' की प्रवृत्ति है : **[1]**

(i) लक्षणग्रन्थों की प्रमुखता (ii) सौन्दर्य एवं प्रेम का चित्रण (iii) इतिवृत्तात्मकता (iv) उपदेशात्मकता

3. निम्नलिखित गद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[2 + 2 + 2 + 2 = 10]**

धरती माता की कोख में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं, जिनके कारण वह वसुंधरा कहलाती है, उससे कौन परिचित होना चाहेगा। लाखों-करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है। दिन-रात बहनेवाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीस कर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है। हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के इन सबकी जाँच-पड़ताल अत्यन्त आवश्यक है। पृथ्वी की गोद में जन्म लेने वाले जड़-पत्थर कुशल शिल्पियों से सँवारे जाने पर अत्यन्त सौन्दर्य के प्रतीक बन जाते हैं। नाना भाँति के अनगढ नग विन्ध्य की नदियों के प्रवाह में सूर्य की धूप से छिलकते रहते हैं, उनको जब चतुर कारीगर पहरेदार कटाव पर लाते हैं,तव उनके प्रत्येक घाट से नई शोभा और सुन्दरता फूट पड़ती है, वे अनमोल हो जाते हैं।

(i) उपयुक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) धरती वसुंधरा क्यों कहलाती है ?

(iii) नदियों ने किससे पृथ्वी की देह को सजाया है ?

(iv) 'अभ्युदय' और 'पोषण' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(v) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

**अथवा**

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरुह है। यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनोदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनामास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिये गये शब्द, भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणणीय नहीं। यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है। यहाँ प्रयत्न की आवश्यकता प्रतीत होती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) भाषा में विकसनशीलता किस स्तर पर शुरू होती है ?

(iii) नये शब्दों का गठन कैसे होता है ?

(iv) 'अविकृत' और 'ग्रहणीय' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[5 × 2 = 10]**

रोकहिं जो तौ अमंगल होय औ प्रेम नसै जो कहैं पिय जाइए।
जो कहैं जाहु न तौ प्रभुता जौ कहू न कहैं तो सनेह नसाइए।
जो 'हरिचन्द' कहैं तुमरे बिनु जीहैं न तो यह क्यों पतिआइए।
तासों पयान समै तुमरे हम का कहैं आपै हमें समझाइए।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) नायिका की किस बात के लिए कोई विश्वास नहीं करेगा ?

(iii) नायिका नायक को जाने से रोकती है तो इसका क्या परिणाम होगा ?

(iv) 'नसाइए' और 'पयान' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

**अथवा**

छायाएँ-मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ीं - वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में, वह
बरसा सहसा
बीचो-बीच नगर के:
काल-सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टूट कर
बिखय गये हों
दसों दिशा में।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) मानवों की छायाएँ दिशाहीन क्यों पड़ीं ?

(iii) दसों दिशाओं के नाम लिखिए।

(iv) 'काल-सूर्य के रथ के / पहियों के ज्यों अरे टूट कर / बिखर गये हों।' - इन पंक्तियों में कौन-कौन-सा अलंकार प्रयोग हुआ है, लिखिए।

(v) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (शब्द-सीमा अधिकतम 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी (iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) सुमित्रानन्दन पन्त (iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'बहादुर' कहानी के आधार पर 'बहादुर' का चरित्र-चित्रण कीजिए। **[5]**

**अथवा**

'पंचलाइट' अथवा 'कमनाशा की हार' कहानी की कथावस्तु पर संक्षेप में लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[5]**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
**अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए।
**अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए।

(ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना पर अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दु:शासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

जन्मत: दशमे दिने 'शिवं बजेदहमिति बुद्धया पिता स्वत:स्म मूलशंकर इति नाम अकरोत्। अष्टमे वर्ष चास्योपनयनमकरोत्। त्रयोदशवर्ष प्राप्तेवते ऽस्मौमूलशङ्करायामशिवरात्रव्रतमाचरितुम् अकथयत्। पितुराज्ञानानुसारं मूलशङ्कर् सर्वमपि व्रतविधानमकरोत्। रात्रौ शिवालये स्ववमित्रा समं सर्वामन्तनहरतान्ववरोतम स्वयं जागरितो ऽततिष्ठत् शिवलिङ्गस्य चोपरि भूषकमफेकमभतस्तत् विचारयन्तं दृष्ट्वा शङ्कितमानस् सत्यं शिवं सुन्दरं लोकशंकरं शङ्करं साक्षात्कर्तुं हृद निश्चितवान्।

**अथवा**

महामना विद्वान्वक्ता धार्मिको नेता, पटु: पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चुण जनसेववै आसीत्। यत्र कुत्रायपि अयं जनान्क्रु:खितान्पीडच-मानाश्चापश्यत्तत्रवै शीघ्रमेव उपस्थिस्थत् सर्वविधं साहाय्माञ्च

अकरोत्। प्राणसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्। अद्मास्माकं मध्ये ऽनुपस्थितो ऽ महामना मालवीम् स्वमशसो ऽभूतरूम पेण प्रकाशं वितयन् अन्धे तमसि निमन्नान्जनान्सन्मार्गुं दर्शमय त्स्थाने स्थाने जनेजने उपस्थित एव।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

**अथवा**

वैवस्वतो मनूनां माननीयो मनीषिणाम्।
आसीन्महीक्षितमाद्यः प्रणवच्छन्दसामिव।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : **[2 + 2 = 4]**

(i) कस्या भाषा देवभाषा इति नाम्ना ज्ञाता ?

(ii) मैत्रेयी याज्ञवल्क्यम् किम् अपृच्छत् ?

(iii) हंसपोटिका कस्या दुहिता आसीत् ?

(iv) विद्या केन रक्षयते ?

10. (क) वीर अथवा हास्य रस की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए। **[2]**

(ख) श्लेष अथवा प्रतीप अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण लिखिए। **[2]**

(ग) सोरठा अथवा बरवै छन्द का लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण लिखिए। **[2]**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **[2 + 7 = 9]**

(i) राष्ट्रीय एकता : आज की अनिवार्य आवश्यकता (ii) विज्ञान : वरदान है या अभिशाप (iii) देशाटन से लाभ (iv) आतंकवाद : कारण और निवारण (v) पंचायती राजव्यवस्था के लाभ

12. (क) (i) 'नाविक' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) नो + इक (ब) नौ + इक (स) नाव + इक (द) नौ + विक

(ii) 'तट्टीका' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) तत् + टीका (ब) तत + टीका (स) तद् + टीका (द) तट् + टीका

(iii) 'गौश्चरति' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) गौ + चरति (ब) गौश् + चरति (स) गौः + चरति (द) गोः + चरति

(ख) (i) 'सहहरि' में समास है : **[1]**

(अ) तत्पुरुष (ब) अव्ययीभाव (स) कर्मधारय (द) द्वन्द्व

(ii) 'महाजनः' में समास है : **[1]**

(अ) कर्मधारय (ब) तत्पुरुष (स) द्विगु (द) अव्ययीभाव

13. (क) (i) 'आत्मनाम्' रूप है 'आत्मन्' शब्द का : **[1]**

(अ) द्वितीया विभक्ति एकवचन (ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन (स) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'नामभिः' रूप है 'नामन्' शब्द का : **[1]**

(अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (ब) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन (स) पंचमी विभक्ति, एकवचन (द) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ख) 'अपिबः' अथवा 'नय' शब्द किस धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का रूप है ? **[2]**

(ग) (i) 'पठित्वा' शब्द में प्रत्यय है : **[1]**

(अ) क्त (ब) क्त्वा (स) त्व (द) तल

(ii) 'धीमान्' शब्द में प्रत्यय है : **[1]**

(अ) वतुप् (ब) अनीयर (स) मतुप् (द) तल

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) विद्यालयम् परितः उद्यानमस्ति। (ii) सुरेशः शिरसा खल्वाटः। (iii) सीतायै नमः।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : **[2 × 2 = 4]**

(i) वे घर जा रहे हैं।

(ii) वह पिता के साथ घर जाता है।

(iii) नगरों में प्रयाग श्रेष्ठ है।

(iv) गाँव के चारों ओर खेत हैं।